सुलतानपुर जिला सहकारी बैंक लि0, सुलतानपुर
प्रधान कार्यालय– सिविल लाइन्स
सुलतानपुर

भाखायें:–

1. सुलतानपुर मुख्य भाखा (सदर) **(लाकर्स की सुविधा उपलब्ध)**
2. सायंकालीन (चौक) **(लाकर्स की सुविधा उपलब्ध)**
3. कादीपुर **(लाकर्स की सुविधा उपलब्ध)**
4. दोस्तपुर **(लाकर्स की सुविधा उपलब्ध)**
5. हनुमानगंज **(लाकर्स की सुविधा उपलब्ध)**
6. लम्भुआ **(लाकर्स की सुविधा उपलब्ध)**
7. अमेठी
8. मुसाफिरखाना
9. गौरीगंज

10कोइरीपुर

11.जगदी ापुर

12.जयसिंहपुर

13.बेलवाई

14. बल्दीराय

15. कूरेभार

16. कुडवार

17. धनपतगंज

18. रामगंज

19. अलीगंज

20. जामों

21.भेटुआ

22. बाजार ुकुल

23. मण्डी समिति

24. तवक्कलपुर नगरा

25. संग्रामपुर

26. भााहगढ़

27 रानीगंज

28. महमूदपुर सेमरी

वार्शिक प्रगति विवरणः— वर्श 2004—05, 2005—06 एवं 2006—07

क्र.सं.	विवरण	31—03—05	31—03—06	31—03—07
1	अं□ापूजी	607.02	609.21	609.85
2	रक्षित एवं अन्य निधियॉ	19.28	19.15	19.03
3	निक्षेप	7226.47	7277.45	7139.84
4	लिया गया ऋण	1575.20	1246.06	1180.63
5	निजी पूॅजी	1614.29	3298.24	3783.82
6	कार्य□ील पूॅजी	11542.26	12450.11	12732.77

अं ापूॅजी

बैंक की प्राप्त अं ापूॅजी का विगत तीन वर्शो का विवरण निम्न प्रकार है।

(धनरा ि लाख रू0 में)

क्र.सं.	विवरण	31–03–05	31–03–06	31–03–07
1	राज्य सरकार	307.06	307.06	307.06
2	सहकारी संस्थायें	299.84	302.03	302.67
3	व्यक्तिगत सदस्य	0.12	0.12	0.12
	योग	607.02	609.21	609.85

उपरोक्त तालिका से स्पश्ट है कि सहकारी संस्थाओं की अं ापूॅजी में 31–03–2005 की अपेक्षा 31–03–2007 तक कुल.609ण्85 लाख रूपयें की तथा कुल अं ापूॅजी में अंकन 2.83 लाख रू0 की बृद्धि हुई है।

निक्षेपः–

निक्षेप का विवरण अधोलिखित है । हम अपने कृशक एवं बन्धुओं सहकारी बन्धुओं से निवेदन करते है कि वे अपने बचत का विनियोजन सहकारी बैंक की भाखाओं में ही करे जिससे उन्हे व्यवसायिक बैंको की अपेक्षा सावधि खातों में अधिक ब्याज मिल सके और उनके द्वारा निक्षेपित धन का उपयोग जनपद के कृशक को ऋण वितरण में हो सके।

(धनराशि लाख रू0 में)

क्र.सं.	विवरण	31–03–05	31–03–06	31–03–07
1	बचत खाता	3960.56	3984.12	3913.79
2	चालू खाता	244.44	335.19	236.18
3	सावधि खाता	3021.47	2958.14	2989.87
	योग	7226.47	7277.45	7139.84

निजी पूॅजी का विवरण

निजी पूॅजी के विवरण की निम्नाकिंत तुलनात्मक सारणी से स्पश्ट है कि निजी पूॅजी में 31–03–05 से 31–03–07 तक लगातार बृद्धि है, जिससे बैंक के ंससाधन में बढोत्तरी के साथ बैंक को जनपद के कृशकों की ऋण आव यकता की पूर्ति करने में किसी सीमा तक सफलता प्राप्त हुई है।

(धनरा□ा लाख रू0 में)

क्र.सं.	विवरण	31–03–05	31–03–06	31–03–07
1	प्राप्त अं□ा पूॅजी	607.02	609.21	609.85
2	सुरक्षित कोश	9.72	9.74	9.88
3	कृशि साख स्थिरता कोश	0.37	0.37	0.37
4	भवन कोश	0.56	0.56	0.56
5	अन्य कोश	8.63	8.48	8.22
	योग	626.30	628.36	628.88

ऋण (बारोइग्स):–

31–03–2007 तक उत्तर प्रदे ा कोआपरेटिव बैंक लि0, लखनऊ एव राज्य सरकार से लिये गये ऋण का विवरण निम्न प्रकार है:–

(धनरा ा लाख रू0 में)

क्र.सं.	विवरण	31–03–05	31–03–06	31–03–07
1.	उ0 प्र0 कोआपरेटिव बैक से लिये गया ऋण			
	(क) कृषि कार्य तथा उपज की बिक्री हेतु	639.08	592.81	556.89
	(ख) कै ा एण्ड कैरी	205.75	172.15	157.85
	(ग) अन्य ऋण	725..03	475.76	460.55
2	राज्य सरकार से प्राप्त	5.34	5.34	5.34
	योग	1575.20	1246.06	1180.63

विनियोजनः–

विभिन्न राश्ट्रीयकृत बैकों , उत्तर प्रदे ा कोआपरेटिव बैंक लि0, राज्य सरकार की प्रतिभूतियों , बचत पत्रों एवं सहकारी संस्थाओं , स्थाई तथा अस्थाई विनियोजन की स्थिति निम्नवत् है। विभिन्न मदो में किये गये विनियोजनों में हुई बृद्धि निम्नाकिंत तालिका से परिलक्षित होती हैः–

(धनरा□ा लाख रू0 में)

क्र.सं.	विवरण	31–03–05	31–03–06	31–03–07
1	राज्य सरकार में प्रतिभूति	0.51	0.41	0.41
2	उ0प्र0 कोआपरेटिव बैंक लि0 की अं□ापूॅजी	54.30	54.30	54.30
3	अन्य सहकारी संस्थाओं में	7.23	7.23	7.23
4	उ0 प्र0 कोआपरेटिव बैंक के सावधि निक्षेपों में	1291.37	921.25	886.65
5	अन्य विनियोजन	1353.31	983.19	948.59

ऋण एवं अग्रिमः–

बैंक द्वारा विभिन्न सहकारी समितियों को वितरित ऋण वसूली बकाया तथा विगत तीन वर्शो में लगे ऋण की स्थिति निम्नवत हैः–

(धनराशि लाख रू0 में)

क्र.सं.	विवरण	04—05	05—06	06—07
1	वितरित ऋण	2319..81	1268.75	889.97
	वर्श की कुल मांग	2651.98	2360.71	2345.71
	ऋण जो वसूल हुआ	847.65	519.71	342.35
	वसूली प्रतिशत	31.96	22.01	14.72
	बकाया ऋण	1804.33	1840.58	2003.36
	कुल लगा ऋण			
	(अ) अल्पकालीन(कृशि)	2036.13	1902.24	1865.16
	(ब)अल्पकालीन (अकृशि)	376.89	366.21	362.62
	मध्यकालीन(कृशि)	7.19	7.19	7.19
	मध्यकालीन(अकृशि)	14.64	14.64	41.65
	मध्यकालीन कनवर्जन	111.31	109.44	107.50
	अन्य ऋण कैश क्रेडिट	1352.68	1273.50	1059.28
	कुल योग	3898.84	3673.22	3443.40

सदस्यता

क्र. स.	विवरण	संख्या	कुल संख्या
1	राज्य सरकार	1	1
2	सहानुभूतिकर सदस्य	8	8
3	सहकारी समितियॉ		326
	(क) क्षेत्रीय ऋण सहकारी समितिया	1	
	(ख) किसान सेवा सहकारी समितियॉ	13	
	(ग) साधन सहकारी ऋण समितियॉ	171	
	(घ) वेतनभोगी सहकारी ऋण समितियॉ	54	
	(ड.) सहकारी संध	47	
	(च) जिला सहकारी संघ	1	
	(छ) केन्द्रीय उपभेक्ता सहकारी संघ	1	
	(ज) प्रारम्भिक उपभेक्ता सहकारी संघ	4	
	(झ) गन्ना सहकारी समितियॉ/संध	4	
	(ळ) क्रय विक्रय सहकसारी संध	1	
	(ट) केन्द्रीय इंजीनियरिगं सहकारी समिति	1	
	(ठ) मजदूर ठेका सहकारी समितियॉ	2	
	(ड) रिक ा चालक सहकारी समिति	1	
	(ढ) प्रका ान समिति	1	
	(ण) दुग्ध उत्पादक सहकारी संध	1	
	(त) अन्य समितियॉ	21	

वर्तमान समय में सुलतानपुर जिला सहकारी बैंक लि0, सुलतानपुर बैंककारी विनियमन अधिनियम–1949 की धारा 11(1) का अनुपालन नही कर पा रहा है। चॅूकि बैंक की आर्थिक स्थिति सुदृढ न होने के कारण तरलता की कमी है । इससे बैंक के व्यवसाय मे ंकमी आई है एवं ग्राहको को धन वापसी मे ंकठिनाई हो रही है। बैंककारी विनियमन अधिनियम–1949 की धारा 11(1) का अनुपालन करने के लिये प्रो0 ए. बैद्यनाथन कमेटी की संस्तुतियों के आधार पर भारत सरकार सहकारिता को आर्थिक सहायता प्रदान करने की कार्रवाई कर रही है । उक्त कार्य हेतु इस बैंक द्वारा निम्नानुसार प्रगति की गई है।

Status of PACS in Sultanpur district - Computation of financial assistance receivable (FAR) by PACS under Rehabilitation Package to STCCS in U.P.

The status of PACS affiliated to Sultanpur Distt. Coop. Bank in the district and DLST related work as on date is as under:

(1) Total number of PACS

185

(2) Number of PACS whose audit and special audit has been completed

130

(3) Number of PACS checked by DLST

70

(4) Number of PACS sample checked by Chartered Accountant

20

(5) Number of PACS in respect of which FAR has been worked out by DLST and the FAR has been approved by DLIC in its meeting held on 12 September 2007

130

(6) No. of PACS whose primary audit and special audit remains to be taken up and completed (1 – 5)

55

(7) No. of PACS whose records, according to DCCB are not available

and FIR is required to be filed before their audit / spl audit could be

taken up

38

(8) No. of PACS in which (according to DCCB) filing of FIR is considered **not necessary** (6 – 7)

17

(9) No. of PACS which have been audited but not special audited

10

(10) No. of PACS in respect of which FIRs to be logged by DCB/Deptt.

38

सुलतानपुर जिला सहकारी बैंक लि0, सुलतानपुर
की
आकर्शक ऋण योजनाये

1. पं0 दीनदयाल उपाध्ययाय सहकारी स्वरोजगार योजनान्तर्गत आसान भार्तो पर रू0 200000.00 तक ऋण सीमा उपलब्ध (महिलाओं के लिये 1 प्रति0 ब्याज की छूट)
2. ज्ञानदीप ि ाक्षा (तकनीकी/व्यवसायिक ि ाक्षा ऋण योजनान्तर्गत कास्ट आफ स्टडी पर 75 प्रति0 ऋण उपलब्ध(महिलाओं के लिये 1 प्रति0 ब्याज की छूट)
3. उपभेक्ता बस्तुओं (जैसे मोटर साइकिल, कम्प्यूटर, फ्रिज, कलर टी.वी., एयर कन्डी ानर, जनरेटर आदि) हेतु 100000.00 रू0 कन्जूमर ड्यूरेबृल ऋण उपलब्ध(केवल वेतन भेगी कर्मचारियों के लिये)
4. वेतनभोगी सहकारी समितियों के माध्यम से 150000.00 रू0 तक ऋण उपलब्ध।
5. राश्ट्रीय वचत पत्र /किसान विकास पत्र के विरूद्ध बन्धक रखरकर 75 प्रति0 तक ऋण उपलब्ध।
6. छोटे वाहन जैसे ट्रक, जीप, मिनी ट्रक इत्यादि के लिये एस0आर0टी0ओ0 योजनान्तर्गत ऋण उपलब्ध।
7. व्यापारियो को दृश्टि बन्धक ऋण सीमा 600000.00 रू0 तक आसान भार्तो पर उपलब्ध।
8. सावधि जमा रसीद के विरूद्ध व्यक्तिगत ऋण ण्वं साख सीमा उपलब्ध।

9. फार्म मैकेनाइजे ान योजनान्तर्गत टैक्टर हेतु ऋण उपलब्ध।

10. किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से सीधे भााखा से फसली ऋण उपलब्ध।

11. स्वयं सहायता समूह के अन्तर्गत ऋण उपलब्ध।

12. स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजनान्तर्गत ऋण उपलब्ध ।

हमारी वि□ोशतायेः–

1. दूरस्थ ग्रामीण अंचालों में बैकिगं सुविधा का विस्तार।
2. संचित संसाधनों का जनपद के बहुमुखी विकास हेतु ही उपयोग।
3. जमा खातों व लाकर्स में नामांकन की सुविधा।
4. प्राथमिक क्षेत्रों को सर्वाधिक ऋण वितरण।
5. प्रबन्ध में सदस्यों द्वारा सीधी भागीदारी।
6. समस्त डिपोजिट इन ाोरेन्स स्कीम के अन्तर्गत आच्छादित
7. गन्ना कुशकों को गन्ना मूल्य भुगतान की व्यवस्था।
8. राज्य सरकार की साझेदारी।
9. निरीक्षण ,आडिट राज्य सरकार के माध्यम से।

सहकारी बैंक का उपहार,

उत्तम सेवा मधुर व्यवहार!